फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 301 प्रभात जयपुर, शनिवार 3 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Jungle Man

For Sunayan Sharma, being a forester was not just a job, it was a dream of a fourteen-year-old boy that finally came true despite all odds!

World Bicycle Day

Bhalo Khabo@ Howrah Express | One of the most aromatic and varied cuisine in the country

ओडीशा की चिल्का लेक में इस बार पूर्व वर्षों की तुलना में ज्यादा पक्षी आ रहे हैं। एशिया के इस सबसे बड़े वॉटर लगून में दिन का तापमान 39 से 41 डिग्री बना हुआ है, उसके बाद भी यहां काफी तादाद में पक्षियों के झुण्डों की आवक बनी हुई है। राज्य सरकार के वन विभाग की चिल्का वाइल्डलाइफ शाखा ने 24 मई को जो वार्षिक ग्रीष्म सर्वे किया, उसमें यहां 88 प्रजातियों के 62,947 पक्षी गिने गए। यह रिपोर्ट अधिकृत रुप से 20 मई को जारी हुई थी। वर्ष 2022 में 95 प्रजातियों के 61,350 पक्षी तथा 2021 में 106 प्रजातियों के 48,728 पक्षी गिने गए थे तथा 2020 में 97 प्रजातियों के 45,056 पक्षी थे। इस बार जो पक्षी हैं उनमें 43 प्रजातियों के 54,407 जल पक्षी तथा 45 प्रजातियों के 8,540 स्थानीय पक्षी मिले हैं। सबसे ज्यादा पक्षी तंगाई रेंज में देखे गए हैं। चिल्का लेक में ग्रेहैडेड स्वॉम्पहैन, पर्पल स्वॉम्पहैन सबसे ज्यादा तादाद (8,386) में हैं। उसके बाद, एशियन ओपन बिल्ड स्टॉर्क, विस्कर्ड टर्न, लिटिल कॉरमोरैंट और लिटिल ईग्रैट प्रमुख हैं। पर्याप्त भोजन की वजह से हर साल गर्मी में यहां भारी तादाद में पक्षी आते हैं। तेज गर्मी को छोड़ दें तो, झील में हमेशा पानी रहता है। रिटायर्ड सीनियर फॉरेस्ट ऑफिसर जितशत्रु मोहन्ती ने कहा कि, चिल्का सर्दियों में हमेशा पक्षियों का प्रिय रहा है पर वॉटर फाउल व स्थानीय पक्षी यहां पूरे साल रहते हैं। सर्दी के मध्य में, 4 दिसम्बर 2023 को हुए सर्वे में इस 1100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 184 प्रजातियों के 11,31,929 पक्षी पाए गए थे। इसमें से 105 प्रजातियों के 10,93,094 पक्षी विदेशी मेहमान थे तथा 79 प्रजातियों के 38,859 पक्षी स्थानीय थे। पक्षी अधिकांशतः हिमालय के पार, नॉर्दर्न यूरेशिया कैस्पियन क्षेत्र, साइबेरिया, कज़ाकिस्तान, बैकल लेक व रुस के सूदूर भागों व अन्य देशों से आते हैं। कुछ प्रवासी पक्षी तो गर्मी के बावजूद भी यहीं रहते हैं और अपने देश नहीं लौटते।

'आप मीडिया में अक्सर सुनेंगे मोदी को हराना असंभव है'

राहुल गांधी ने वॉशिंगटन के नैशनल प्रैस क्लब को संबोधित करते हुए कहा, ''मीडिया का कथन भारी अतिशयोक्ति है''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में गुरुवार को साफ-साफ कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत होगी और आगामी चुनाव में संयुक्त विपक्ष भाजपा को हरा देगा।

गांधी ने गुरुवार को वॉशिंगटन में नैशनल प्रैस क्लब में पत्रकारों से वार्ता की और बाद में जाने माने भारतीय-अमेरिकन ''फ्रैंक इस्लाम'' थिंक टैंक द्वारा आयोजित रिसैप्शन में भी लोगों से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि, संसदीय चुनावों में एक साल से भी कम समय बचा है और कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों से वार्ता कर रही है। लेकिन मुझे यकीन है कि विपक्ष का महागठबंधन बन कर रहेगा।

इसी बीच भाजपा ने राहुल की अमेरिका यात्रा पर कटाक्ष किया कि ''हम यह लोगों पर छोड़ देते हैं कि वे सोचें कि क्यों राहुल को विदेश में बोलने के लिए बुलाया जाता है, पर देश में नहीं बुलाया जाता।''

- **राहुल गांधी ने आगे इस लय में यह भी कहा, ''भाजपा के पास हल्ला मचाने वाली मशीन है। अतः अच्छी तरह से भाजपा चिल्ला सकती है, चीख सकती है, वो तोड़-मरोड़ कर पेश कर सकती है, पर, भारतीय जनता का बहुमत उनके साथ नहीं है, क्योंकि देश की 60 प्रतिशत जनता उनके पक्ष में वोट नहीं करती।''**
- **''हमारे पास वो ''बेसिक रिक्वायरमैंट (मूल साधन व ताकत) हैं, जो भाजपा को हराने के लिये चाहिये'' मुझे पूरा विश्वास है, विपक्ष की एकता का प्रयास सफल होगा।**
- **राहुल गांधी की अमेरिका की यह यात्रा प्र.मंत्री की अगले महीने प्रस्तावित यात्रा के पहले आयोजित की गयी है।**
- **भाजपा ने राहुल गांधी के, अमेरिका में दिये जा रहे भाषणों पर कटाक्ष किया कि, यह सोचने की बात है कि, राहुल गांधी को विदेश से आमंत्रण आते हैं बोलने के लिये, पर, देश की कोई संस्था या संगठन उन्हें भाषण देने क्यों नहीं बुलाता।**

कांग्रेस नेता ने मानहानि मामले में संसद सदस्यता चले जाने पर खुलकर बोला और कहा, यह उनके लिए फायदेमंद रहा।

इसमें मुझे खुद को पुनः परिभाषित करने का मौका दिया। मुझे लगता है उन्होंने मुझे एक तोहफा दिया है, उन्हें इसका आभास नहीं है।

गौरतलब है कि कुछ ही सप्ताह बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अमेरिका पहुंच रहे है।

गांधी ने थिंक टैंक द्वारा आमंत्रित भारतीय अमेरिकी लोगों व सांसदों से कहा कि भारत में प्रैस भाजपा के पक्ष की खबरें दे रहा है।

उन्होंने कहा, कृपया समझिए 60 प्रतिशत भारत भाजपा को वोट नहीं देता है और मोदी को वोटी नहीं देता है। यह बात आपको याद रखनी है। भाजपा के हाथ में शोर मचाने वाले यंत्र है। वे चीख सकते हैं, चिल्ला सकते हैं, झूठ बोल सकते हैं और यह सब करने में वे माहिर हैं। पर उनके पास भारत की जनता का बहुमत नहीं है।

राहुल ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचों का पुनर्निर्माण आसान नहीं है इसमें समय लगता है, पर हमें यकीन है कि हमारे पास वे मूलभूत साधन हैं जो भाजपा को हराने के लिए जरूरी हैं।

आप मीडिया से सुनेंगे कि मोदी को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में सत्ता में आते ही कांग्रेस ने द्रमुक को पिन चुभाना शुरू किया

यहां यह उल्लेखनीय है कि, तमिलनाडू में द्रमुक कांग्रेस के साथ गठबंधन की साथी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (के.पी.सी.सी.) के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के लिये चुनाव जीतना ज्यादा आसान था, बजाय तमिलनाडु के साथ दशको पुराने कावेरी जल विभाजन के विवाद को निपटाना। ज्ञातव्य है कि तमिलनाडु में इस समय

- **कर्नाटक के उप मु.मंत्री डी.के. शिव कुमार ने कावेरी नदी पर एक बांध बनाने की बात कही। जैसा कि विदित ही है, तमिलनाडू व कर्नाटक में कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है तथा सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में अपना निर्णय भी सुना रखा है।**
- **कावेरी नदी पर अब अगर एक नया निर्माण शुरू किया गया तो, यह प्रोजैक्ट तमिलनाडू के हितों के खिलाफ होगा।**
- **तमिलनाडू के वरिष्ठ मंत्री, जिनकी मु.मंत्री स्टालिन के बाद मंत्रिमण्डल में दूसरी पोज़ीशन है, ने तुरंत शिव कुमार के वक्तव्य पर भारी विरोध जताया और कटाक्ष किया, शिव कुमार को गलत सलाह मिली है तथा जरूरत है कि, वे पूरे मामले को गहरायी से समझें और तब तक धैर्य रखें।**

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

डी.एम.के. (द्रमुक) सत्तारूढ़ है जो कि कांग्रेस की मित्र पार्टी है। स्थानीय चुनावी मजबूरियां इतनी ज्यादा हैं कि उप मुख्यमंत्री शिवकुमार जैसे नेताओं को सत्ता में आने के तुरंत ही मजबूरन पड़ौसी राज्य को उकसाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कावेरी पर मेकेदातू बांध बनाने के बारे में बयान दिया। यह बांध कावेरी के पानी को रोक लेगा और इससे तमिलनाडु को नुकसान होगा।

मेकेदातू बांध पर शिवकुमार के बयान पर, स्वाभाविक तौर पर द्रमुक ने तीखी प्रतिक्रिया दी। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री एस. दुरैमुरुगुन कर्नाटक को कावेरी डिस्प्यूट ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की याद दिलाई जिसमें इस प्रोजैक्ट का जिक्र ही नहीं है। दुरैमुरुगन स्टालिन के बाद द्रमुक सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्री हैं और पार्टी के कद्दावर नेता हैं। वे कावेरी जल विवाद से जुड़े हर मसले के अच्छे जानकार हैं।

दुरैमुरुगन ने एक बयान में कहा कि, ''मुझे हैरानी है कि शपथ लेने के तुरंत बाद शिवकुमार ने पड़ोसी राज्य को उकसाने वाला बयान दिया है। मुझे यकीन है कि अधिकारियों ने उन्हें मेकेदातू का पूरा ब्यौरा नहीं समझाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डेयरी बूथ आवंटन प्रक्रिया पर रोक से इन्कार

जयपुर, 2 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में डेयरी बूथ आवंटन की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पेश स्टे एप्लीकेशन को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फाउंडेशन लि. की याचिका में दायर प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिए।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फाउण्डेशन लिमिटेड की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिये। याचिका कर्ता, गुजरात की कम्पनी ने बूथ आवंटन प्रक्रिया में स्वयं को शामिल करने की मांग की थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा नये सहयोगी दलों की तलाश में जुटी

एन.डी.ए., जिसके गठन के पच्चीस साल गत माह पूरे हुए, अब केवल कागज़ी संस्था बन कर रह गयी है, उसमें पुनः जान डालने की कोशिश भी हो रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। कर्नाटक की पराजय से दण्डित तथा विपक्ष के संगठित होने की कोशिशों से व्याकुल एवं सचेत हो रही भाजपा ने मित्र बनाने तथा लोगों को प्रभाव में लेने की मुहिम शुरू कर दी है तथा इसके लिये नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) में नये प्राण फूँकने का रास्ता अपनाया है।

2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, भाजपा स्वयं को एक ऐसी अवांछनीय स्थिति में पा रही है, जहां उसके पास एक बड़े गठबंध-पार्टनर के रूप में केवल ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्नाद्रमुक) ही है। इसके अलावा पूर्वोत्तर सहित देश के अन्य भागों में, उसके पास केवल छोटे-मोटे स्थानीय क्षेत्रीय ग्रुप ही हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दल, जिनमें शिरोमणि अकाली दल, जनता दल (यू) तथा शिव सेना (यू.बी.टी.) उससे अलग हो चुके हैं। जब 2014 में

- **अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियाँ, जैसे शिरोमणि अकाली दल, जे.डी. (यू), शिव सेना, (यू.बी.टी.) जुदा हो चुके हैं।**
- **प्र.मंत्री मोदी ने भाजपा मु.मंत्रियों व उप मु.मंत्रियों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि, यह छवि बन रही है कि, क्षेत्रीय दल भाजपा के व्यवहार से खुश नहीं हैं तथा अलग-अलग महसूस करते हैं। प्र.मंत्री ने बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि, यह छवि बदलना जरूरी है।**
- **यह सच है कि, विपक्ष के बायकॉट के बाद भी शिरोमणि अकाली दल, वाई.एस.आर., कांग्रेस पार्टी, जे.डी. (एस), बीजेडी, बी.एस.पी. व टी.डी.पी. ने नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पर ये दल एन.डी.ए. के गठबंधन के सदस्य नहीं, इन्हें अधिकतम भाजपा से सहानुभूति रखने वाले दल माना जा सकता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाइडन लड़खड़ाकर नीचे गिरे

वॉशिंगटन, 2 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति 80 वर्षीय जो बाइडन फिर एक कार्यक्रम के दौरान लड़खड़ाकर गिर गए। इस बार घटना कोलोराडो की है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तहर की चोट नहीं लगी है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब बाइडन का संतुलन बिगड़ा हो। अमेरिका में उम्र को लेकर जारी चर्चाओं के बीच उन्होंने 2024 में फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है।

- **यह अब तक की पांचवीं घटना है जब 80 वर्षीय राष्ट्रपति बाइडन इस तरह से संतुलन बिगड़ने के कारण लड़खड़ाकर नीचे गिर पड़े हैं।**

कोलोराडो में एयर फोर्स एकेडमी के ग्रेजुएशन सेरेमनी में बाइडेन स्टेज पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिजली कनैक्शन दिए जाने की वजह से 456 करोड़ रू. का नुकसान होगा, जे.डी.ए. का यह दावा बेबुनियाद है'

न्यायमित्र अधिवक्ता पी.एन. भंडारी ने यह भी कहा कि, शपथ पत्र में 17,000 भूखंडों को पट्टा नहीं देने के कारण बताए गए हैं, जब पट्टा ही नहीं दे सकते तो नुकसान किस बात का

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 2 जून। पृथ्वीराज नगर योजना में सोसायटी पट्टों पर बिजली कनैक्शन जारी नहीं करने से जुडे मामले में जेडीए आयुक्त जोगाराम की ओर से हाईकोर्ट में शपथ पत्र पेश किया गया, जिस पर आज सुनवाई हुई।

शपथ पत्र में बताया गया कि पृथ्वीराज नगर (पी.आर.एन.) में सोसायटी पट्टों पर बिजली कनेक्शन दिए तो जेडीए को कथित तौर पर 456 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। जेडीए द्वारा दिये गये शपथ पत्र के अनुसार इस योजना में 641 अनुमोदित व 214 गैर अनुमोदित कॉलोनियां हैं, इनमें कुल 80,018 भूखंड हैं। जेडीए का कहना है कि इनमें से 62,454 भूखंडों को जेडीए ने पट्टे जारी कर दिए हैं। जेडीए की ओर से कहा गया कि यह 60,000 से अधिक पट्टे आवंटन करने में हाईकोर्ट के 2013 में दिये गये आदेश का सहयोग रहा है क्योंकि कई लोग तभी जेडीए से पट्टा लेने के लिये आतुर हुए जब हाईकोर्ट ने उन पर यह पाबंदी लगाई कि बिजली कनेक्शन उन्हीं को दिए जा सकते हैं, जिनके पास जेडीए का पट्टा है।

- **भंडारी ने कहा कि, बिजली कनैक्शन में अनावश्यक प्रतिबंध लगाने से भ्रष्टाचार ही बढ़ेगा।**
- **उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में और इलैक्ट्रिसिटी एक्ट में बिजली कनैक्शन को मूल अधिकार बताया गया है। बिजली कनैक्शन भूखंड के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोन (पी.आर.एन.)	कुल योजनाओं की संख्या जिनका रिकॉर्ड जमा है	अनुमोदित योजनाओं की संख्या	गैर-अनुमोदित योजनाओं की संख्या	कुल भूखण्डों की संख्या	जारी पट्टों की संख्या	शेष पट्टों की संख्या
उत्तर-प्रथम	204	173	31	21932	18018	3914
उत्तर-द्वितीय	214	164	50	21439	18784	2655
दक्षिण-प्रथम	173	115	58	17171	12669	4502
दक्षिण-द्वितीय	264	189	75	19476	12983	6493
कुल योग	**855**	**641**	**214**	**80018**	**62454**	**17564**

जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत रेल प्रोजैक्ट से रोक हटी

जयपुर, 2 जून (का.सं.)। जोधपुर से दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन प्रोजेक्ट के काम पर लगी रोक अंततगत्वा हट गई है। न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने याचिकाकर्ता नेलाकुदुरू इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कम्पनी के अनुबंध को रद्द करने सम्बंधी भारतीय रेल्वे के नोटिस को रद्द कर दिया।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने इस संबंध में नेलाकुदुरू इन्फ्रा प्रोजैक्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए रेल्वे के अनुबंध रद्द करने के नोटिस पर स्टे लगा दिया था। इसी बीच रेल्वे ने कम्पनी को 30 माह का समय और दे दिया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)